B.S.E.R. D

1878091

कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

... के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय हिन्दी

परीक्षा का दिन मंगलवार

दिनांक 12-03-24

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।
(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।
(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
	12	19	$3\frac{3}{4}$
	6	20	4
	6	21	—
	6	22	—
5	2	23	—
6	2	24	—
7	2	25	—
8	2	26	—
9	2	27	—
10	2	28	—
11	2	29	—
12	4	30	—
13	4	31	—
14	3	योग	$79\frac{1}{2}$
15	3	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	4	अंकों में	शब्दों में
17	4	80	अस्सी
18	$5\frac{3}{4}$		

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक 45731

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है।175/2023

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटे।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटे।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		खण्ड - अ
प्र. 1.	(i) ⇒	रसिया शब्द में प्रत्यय -: (ब) इया प्रत्यय ।
1	(ii) ⇒	गुण स्वर संधि का सही उदाहरण. (अ) रमेश ।
1	(iii) ⇒	'उत्साह' के कवि - (ब) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'।
1	(iv) ⇒	'राम - लक्ष्मण परशुराम संवाद' की भाषा - (द) अवधी ।
1	(v) ⇒	भ्रमर के बहाने बनाकर व्यंग्य छोड़े हैं - (अ) उद्धव ।
1	(vi) ⇒	नागार्जुन का जन्म - (अ) बिहार ।
1	(vii) ⇒	कैप्टन - (अ) चश्मेवाला ।
1	(viii) ⇒	लखनवी अंदाज के लेखक - (अ) यशपाल

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	(ix) ⇒	'बालगोबिन भगत' पाठ की विधा - (स) रेखाचित्र।
1	(x) ⇒	संस्कृति का परिणाम - (ब) सभ्यता।
1	(xi) ⇒	नाक प्रतीक है - (स) इज्जत का।
1	(xii) ⇒	हिन्दी का पहला आंचलिक उपन्यास - (ब) देहाती दुनिया।
12	प्र० 2.	रिक्त स्थान -
1	(i)	किसी भाव, अवस्था, गुण अथवा दशा के नाम को भाववाचक संज्ञा कहते है।
1	(ii)	वे शब्द जो संज्ञा व सर्वनाम की विशेषता बताते है, उन्हे विशेषण कहते है।
1	(iii)	वे क्रिया जिनके साथ कर्म प्रयुक्त नहीं होता, उसे अकर्मक क्रिया कहते है।
1	(iv)	वे अविकारी (अव्यय) शब्द, जो दो शब्दों, वाक्यांशों को जोड़ते है, उन्हे समुच्चयबोधक अव्यय कहते है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	(ख)	वे शब्दांश जो किसी शब्द के अंत (पीछे) में लगकर नये अर्थ का बोध करवाते है उन्हे प्रत्यय कहते है।
1	(ग)	हिन्दी मे उपसर्ग तीन प्रकार के होते है।
6	प्र. 3.	गद्यांश - (अपठित)
1	(i)	उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक - राष्ट्र। आदेश राष्ट्र होगा।
1	(ii)	वर्तमान मे राष्ट्र को शारीरिक दृष्टि से मजबूत, निर्भय तथा ऐसे नवयुवकों की आवश्यकता है, जो अपने आप मे, अपनी शक्ति में विश्वास करते हो।
1	(iii)	भारत के राष्ट्रीय आदर्श त्याग और सेवा को अपनाकर गरीबों, भूखो और पीड़ितो की सेवा मे अपने को अर्पित करना ही राष्ट्र की सबसे बड़ी सेवा है।
1	(iv)	विवेकानन्द के उपदेश का ध्येय वाक्य - उठो, जागो और तब तक रुको नही जब तक लक्ष्य की प्राप्त न हो जाये।
1	(v)	राष्ट्रभक्ति की भावना का आधार विवेक और प्रेम को माना गया है। जिसकी अभिव्यक्ति हर एक मनुष्य से प्रेम करने में देखी जा सकती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1 (6)	(vi)	आस्तिक शब्द का विपरीत ⇒ नास्तिक
प्र० 4.		पद्यांश - (अपठित)
1	(i)	प्रस्तुत पद्यांश का उपयुक्त शीर्षक :- मानव / मानव की क्षमता या भीतरी गुण।
1	(ii)	विघ्न आदमी के मग में नहीं टिक सकता
	~~(iii)~~	जब नर खम ठोक ठेलता है तो पत्थर पानी बन जाता है। ×
1	(iv)	वे व्यक्ति जो बत्ती नहीं जलाता है वे रोशनी नहीं पाता है।
1	(v)	जब नर खम ठोक ठेलता है तब पर्वत के पाँव उखड़ जाते हैं।
1	(iii)	जब मानव अपना जोर लगाता है तो पत्थर पानी बन जाता है।
1 (6)	(vi)	मेहदी ~~के~~ के बीच में लाली है तथा वर्तिका के बीच उजियाली है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - ब

प्र: लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्र.5 शहनाई और डुमरांव एक दूसरे के लिए उपयोग है क्योंकि शहनाई मे रीड होती है जिसे फूंक कर शहनाई बजाई जाती है जो डुमरांव मे सोन नदी के तट पर मिलती है और डुमरांव मे बिस्मिल्ला खाँ जैसे अनेक ख्याति है जो शहनाई के सुर और ताल से भली-भाँति परिचित है इसी प्रकार शहनाई के द्वारा डुमरांव को प्रसिद्धि प्राप्त है। इस प्रकार दोनो एक दूसरे के लिए उपयोगी है

(2)

प्र.6. जब पहली बार हालदार साहब के ने मूर्ति को देखा तो उन्हे मूर्ति अत्यन्त प्रिय लगी। मूर्ति संगमर की थी। नेताजी थोड़े कमसीन से लग रहे थे परन्तु जब उन्होने पहली बार मे उनकी दृष्टि मे मूर्ति मे एक कमी थी वह है चश्मा उन्हे मूर्ति पर संगमर का चश्मा नहीं है यह बात उन्हे खटकती थी। अतः मूर्ति पर संगमरमर का चश्मा न रहना उन्हे खटकता था

(2)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र. 7. जब कवि ने छोटे बच्चे की मुसकान देखी तो उन्हे लगा की बच्चे की मुसकान को देखकर मृत व्यक्ति भी जीवित हो उठेगा अर्थात निरास निराश व्यक्ति मे भी उत्साह का संचार हो जाएगा। उन्हे उस शिशु की मुसकान देखकर अत्यधिक प्रसन्नता हुई और कहाँ कि बच्चे की मुसकान से मेरे बाँस और बबूर बबूल जैसे नीरस जीवन मे प्रफुल्लता आ गई है। इस प्रकार के भाव कवि ने अपनी इस कविता मे व्यक्त किए है।

(2)

प्र. 8. 'उत्साह' कविता सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' द्वारा रचित है। उन्होने इसमे बादलों का आह्वान किया है और बादलो के माध्यम से उन्होने समाज मे नवयुवको व लोगो के मन मे परिवर्तन और क्रांति लाने का संदेश दिया है तथा लोगो और कवि को नया जीवन देने के लिए संकेत किया है। इस प्रकार कविता लोगो, नवयुवको मे परिवर्तन और क्रांति लाने के लिए उत्साहित करना इस कविता का मूल उद्देश्य व भाव है।

(2)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र.9. लेखिका गैंगटोक शहर को देखकर ठगी सी रह गई। रात में सितारों से जगमगाता हुआ गैंगटोक शहर लेखिका को अत्यन्त सुन्दर लगा। लेखिका गैंगटोक को देखकर ऐसा लगा की उसकी सारी संवेदनाएँ और कल्पनाएँ ठहर सी गई है उसे अपने भीतर और बाहर शून्यता का अनुभव हो रहा था। इस दृश्यों को ऊँचाई पर से देखने पर ऐसा लगता था कि आकाश उलट गया है और तारे बिखर गए है कहीं तारो की गुच्छे जैसी और कहीं तारो की झालर जैसी रोशनी को देखकर लेखिका सम्मोहित हो गई।

2

प्र.10. लेखक व उनके साथियों के चूहे के बिल मे पानी फेंका फेंका परन्तु अनुमान से विपरित चूहे की जगह उसमे से साँप निकल आया इस पर सभी भयभीत होकर भागने लगें। कोई इधर गिरा कोई उधर, किस का सिर फूटा व तस्ह पैरो के काँटा छु से छलनी हो गए थे। लेखक इस समय पर भागकर अपनी माता के आँचल मे छुप गए। इस प्रकार साँप निकलने पर सभी भयभीत होकर भाग गए।

2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र.11. नमक - मिर्च लगाना - बात को बना - चबाकर। मजेदार करके बोलना।

वाक्य प्रयोग ⇒ राम ने एक छोटी - सी शरारत की थी परन्तु उसकी शिक्षिका ने शरारत को नमक - मिर्च लगाकर राम के पिता को बताया।

2

खण्ड - स

प्र.12. निम्न पठित गद्यांश।

1 (i) आजाद हिंद फौज के मुकदमे के सिलसिले मे हड़ताल का आह्वान आह्वान हुआ।

1 (ii) जो हड़ताल नही कर रहे थे, छात्रों का एक बहुत बड़ा समूह वहाँ जा - जाकर हड़ताल करवा रहा था।

1 (iii) पूरा वर्ग चौपड़ अर्थात मुख्य बाजार के चौराहा पर इकट्ठा हुआ हुआ।

1 (iv) फिर विद्यार्थियो के इकट्ठा होने के बाद भाषणबाजी शुरु हुई

4

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	प्र ०१३	पठित पद्यांश -
1	(i)	गोपियों ने उद्धव को बड़भागी कहा है।
1	(ii)	गोपियों ने उद्धव को बड़भागी इसलिए कहा है क्योंकि वह अभी श्रीकृष्ण के प्रेम के धागे से नहीं बंधा है अर्थात् श्रीकृष्ण के प्रेम का उद्धव ने अनुभव नहीं किया है। इसलिए वह प्रेम के बिछोह की पीड़ा से मुक्त है।
1	(iii)	पुरइनि पात का अर्थ है - कमल का पत्ता। यह शब्द इस पद्यांश में उद्धव के लिए प्रयोग किया गया है।
1	(iv)	तेल की गागरी को पानी मे डूबोने पर उस पर जल की एक बूंद भी नहीं लगती है। इसलिए उद्धव की तुलना गागरी से की है क्योंकि उस पर भी श्रीकृष्ण के प्रेम की एक भी बूंद नही लगी है।
4		
	प्र ०१४	हालदार साहब एक संवेदनशील व्यक्ति थे। जब उन्होने मूर्ति पर लगा सरकंडे का चश्मा देखा तो वे भावुक हो गए। मूर्ति पर लगा सरकंडे का चश्मा उनकी देशभक्ति की भावना को सन्तोष

P.T.O

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्रदान करने वाला था। यह चश्मा अवश्य ही किसी बच्चे ने लगाया होगा। अतः एक बच्चे के देश भक्ति प्रयास को देखकर हालदार साहब भावुक हो गए। उन्हें प्रतीत हुआ कि आज भी देश भक्ति की भावना को जीवित रखने वाले व्यक्ति है और देश की युवा पीढ़ी देश को अवश्य ही आगे ले जाएगी। इस विचार से और मूर्ति का पर लगे सरकंडे के चश्मे को देखकर हालदार साहब की आँसू से आँखो से आँसू निकलने लगे और यहीं उनके भावुक होने का कारण है और कैप्टन की मृत्यु के बाद किसी के द्वारा किए गए देश भक्ति पूर्ण प्रयास भी हालदार साहब के भावुक होने के कारण रहा होगा।

(3)

प. 15 सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' ने अपनी कविता अट नही रही है मे बसंत ऋतु मे फागुन की मादकता व सुन्दरता का वर्णन किया है

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उ→ फागुन की मादकता दसों दिशाओं मे व्याप्त है वे परिवेश की सीमाओं मे समा नहीं पा रही है। जिधर भी नजर जाती है वहीं प्रकृति का नया रूप सामने आ जाता है। यह फागुन की शोभा कवि ने मन मे समा नही पा रही है। कहीं वह सुगंध सुगंधित पवनों के रूप मे जन-जन की सांसो को सुवासित करती है तो कही लाल हरी पत्तियाँ मांसल सौन्दर्य के दर्शन कराती है। कवि कहता है कि जब पक्षी आकाश मे उड़ते है तो आकाश रंग-बिरंगे पंखो से भरा हुआ दिखाई देता है। कहीं फागुन मे पेड़ो पर नई पत्तियाँ व पुष्पों का आगमन होता है तथा पुष्प धीरे-धीरे वातावरण को सुगंधित कर देते है और हर घर को सुगंध से भर देते है। फागुन की सुन्दरता जगह-जगह दिखाई देते देती है जो कवि के मन मे और आंखो मे समा नहीं पा रही है। कवि इस प्राकृतिक दृश्यों से अपनी आँख हटाना चाहता है परन्तु यह सुन्दरता इतनी आकर्षक है की कवि अपनी आँख को हटा नही पाता है। इस प्रकार कवि ने फागुन की मादकता का वर्णन किया है।

3

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र. 1. तुलसीदास जी का कृतित्व एवं व्यक्तित्व -:

जन्म -: महाकवि तुलसी दास का जन्म सन् 1532 मे हुआ।

स्थान - एक मान्यता के अनुसार उनका जन्म उत्तरप्रदेश के बाँदा जिले के राजापुर गाँव मे हुआ है

→ दूसरी मान्यता के अनुसार उनका जन्म सोरे जिला एटा भी मानते है

⇒ बचपन मे माता पिता से बिछोर हो गया था।

⇒ इनकी माता का नाम हुलसी व पिता का नाम आत्माराम दुबे है

→ इनकी प्रमुख रचनाएँ-
(i) कवितावली
(ii) रामचरितमानस
(iii) गीतावली
(iv) कृष्णगीतावली
(v) विनयपत्रिका
(vi) दोहावली

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

=> इनमें से रामचरितमानस अत्याधिक प्रसिद्ध है मुख्यतः उत्तरी भारत में।

=> भाषा => इनका साहित्य अवधी और ब्रज दोनो भाषा मे है।

=> रामचरितमानस अवधि भाषा मे लिखित है।
=> कृष्णगीतावली व विनयपत्रिका ब्रज भाषा मे लिखित है।

4

=> रामचरितमानस की रचना छंदो, दोहे, सोरठे, सवैयो मे हुई है।

=> कवितावली मे सैवयां व कवित्त छंद की छटा देखी जा सकती है।

=> विनयपत्रिका के सभी पद गायनेय है।

=> तुलसी के राम मानवीय मर्यादाओं व आदर्शों के प्रतीक है।

=> उन्होने नीति, स्नेह, त्याग, शील आदि उदात्त गुणो को प्रतिष्ठित किया है।

* मृत्यु => उनकी मृत्यु सन 1623 मे काशी में हुई।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

4

प्र 07.

लेखिका व उसकी मित्र मणि भ्रमण पर गए थे। वहां उन्होंने अनेक सुन्दर प्राकृतिक दृश्यो देखें जो उनकी आत्मा को सुख प्रदान करने वाले थे। जब वें तिस्ता नदी व झरनों को देखते है तब मणि ने यह कथन कहा कि इन नदियों का हम पर कितना ऋण है, इन हिमशिखरों का क्योंकि नदियां हमारे दैनिक जीवन के लिए आवश्यक जल उपलब्ध कराती है जो की अति महत्वपूर्ण है। पहाड़ी इलाकों के लोग मुख्यत नदियों पर ही आश्रित रहते है। उनकी जीवन रेखा नदि ही है। कृषि, उद्योग, घरेलू उपयोग आदि के लिए जल अति महत्वपूर्ण है जो नदियो द्वारा उपलब्ध होता है। इसलिए नदियो पर हमारा ऋण है यह ऋण कभी नही चुकाया जा सकता। इसके अतिरिक्त नदियों किसी स्थान को समृद्धि व प्रसिद्धि दिलाने मे भी सहायक होती है। हिमशिखर भी एक महत्वपूर्ण जल ऋणदाता है क्योंकि नदियो का जल हिमशिखरों से ही आता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

यह जल संचय की व्यवस्था कर प्रकृति का संतुलन बनाए रखते है तथा ग्रीष्म काल मे लोगो की प्यास को दूर कर देते है तथा उनकी जल सम्बन्धी आवश्यकता को पूरा करते है। इस प्रकार यह हमारे जीवन मे महत्वपूर्ण योगदान देते है। इन्ही योगदान और आवश्यकता की पूर्ति करने के कारण हम पर इन नदियों व हिमशिखरों का अत्यन्त ऋण एवं आभार है। इसी कारण भाग्य ने इनके सम्बन्ध मे यह कथन किया होगा।

प्र. 10 निबन्ध :-

* बढ़ता ध्वनि प्रदूषण :-

(i) प्रस्तावना :-

आज मनुष्य जितना सुख सुविधाओं से घिरा हुआ है उतना ही प्रदूषण से घिरा हुआ है जो मनुष्य को स्वस्थ से अस्वस्थ करते है। विभिन्न प्रकार के रसायन कूड़ा - करकट आदि की के कारण प्रदूषण अपने पैर प्रसारो जा रहे रहा है। प्रदूषण अनेक प्रकार के होते है - ध्वनि प्रदूषण, वायु प्रदूषण, पर्यावरण प्रदूषण। यह सभी प्रदूषण पर्यावरण को नुकसान

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

व नष्ट करने वाले है इसलिए मनुष्य को इनका करना आवश्यक है

(ii) ध्वनि प्रदूषण का अर्थ :-

ध्वनि प्रदूषण का अर्थ ध्वनि को प्रदूषित करने वाली । सभी प्रदूषणों के प्रकारो मे यह प्रदूषण अत्यधिक गंभीर व नष्ट पहुचाने वाला है अनचाही ध्वनि मानसिक उत्तेजना का कारण बन सकती है इसलिए इसे रोकना आवश्यक है यह प्रदूषण हमारे शांत वातावरण के लिए ~~आवश्यक~~ उत्तरदायी अनियमिता उत्पन्न करने मे उत्तरदायी है इस प्रकार हमे इसे रोकना आवश्यक है

(iii) ध्वनि प्रदूषण के कारण व दुष्परिणाम :-

कारण :-

(i) ध्वनि प्रदूषण व अनेक प्रदूषण के विभिन्न कारण है जो मानव क्रिया द्वारा जुड़े हुए है मानव प्रकृति, वातावरण को स्वच्छ करने के बजाय उसे और अस्वच्छ कर रहा -

परीक्षार्थी उत्तर

है। जिससे प्रदूषण को बढ़ावा मिल रहा है और प्रदूषण अपने पैर प्रसार जा रहा है। इसके प्रमुख कारण उद्योग, कारखाने, मीले, फैक्ट्रियाँ आदि है। उद्योग, कारखानों द्वारा बड़ी - मशीनों का उपयोग किया जाता है जो ध्वनि प्रदूषण को बढ़ाता है क्योंकि ये मशीनें अत्यधिक शोर करती है जिससे ध्वनि प्रदूषण बढ़ रहा है।

इसके अतिरिक्त मानव - क्रियाकलापो द्वारा भी ध्वनि प्रदूषण बढ़ रहा है।

लोगों द्वारा देर रात तक ऊँची आवाजों मे गाने बजाना व शादियों मे देर रात तक गाने बजाने व अन्य प्रकार के यंत्रो द्वारा शोर उत्पन्न होता है जो अन्य लोगो को असुविधा देता है। इस प्रकार इन कारणो के कारण प्रदूषण व ध्वनि प्रदूषण बढ़ता जा रहा है।

(ii) दुष्परिणाम :-

अनचाही ध्वनि मानसिक उत्तेजना का कारण बनती है जिससे रक्त चाप, हार्ट अटैक, ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियां फैलती जा रही है तथा लोगो की असुविधा का भी यह कारण बन रहा है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

इसके अतिरिक्त कारखानो द्वारा व उद्योग द्वारा किए गए शोर के कारण श्रवण अक्षमता बढ़ गई है। इस प्रकार अनेक बीमारियाँ व असुविधाएँ इसके कारण फैल रही है।

(iv) **ध्वनि प्रदूषण रोकने के उपाय:-**

उपर्युक्त विश्लेषण मे ध्वनि प्रदूषण के हानिकारक प्रभाव को रोकना अत्यावश्यक है। इसके लिए उद्योग - कारखानो पर नियंत्रण करना आवश्यक व निम्न उपायो के द्वारा हम इसे रोक सकते है:-

(i) उद्योगो, कारखानो, फैक्ट्रियो द्वारा ऐसा मशीनो का प्रयोग किया जाए जो सक्षम हो और ध्वनि कम करें।

(ii) जनरेटरो मे साइलेंसरो का प्रयोग किया जाना चाहिए।

(iii) कानो मे शोर नियंत्रण व ध्वनि अवशोषित करने वाले यंत्र पहने चाहिए।

(iv) सरकार द्वारा शादियों मे दी गई असुविधा व डी.जे साउंड पर नियंत्रण करना चाहिए

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

→ इस तरह के अनेक उपायो से हम ध्वनि प्रदूषण को रोक सकते हैं

(7) उपसंहार :-
प्रदूषण को रोकना किसी एक व्यक्ति या देश की समस्या नहीं है अपितु पूरे विश्व की जिम्मेदारी है। ध्वनि प्रदूषण के साथ-साथ हमे अनेक प्रकार के प्रदूषणं पर नियंत्रण व उन्हे रोकने के लिए अपना योगदान देना चाहिए। ताकि हम इस पृथ्वी को प्रदूषण रहित देख सकें।

5 3/4

प्र.2. विज्ञापन :

आइए! आइए! आइए!

(ऑफर) महिला उद्यमिता केन्द्र (ऑफर)
स्वास्थ्य और स्वाद से भरपुर
आचार-पापड़ खरीदें।

सुनहरा अवसर! लम्बें समय तक चलनें वाले
किफायती दाम पर
छूट के साथ
10% सिर्फ सीमित समय केलिए

पता : उदयपुर सम्पर्क : 90XXXXXXXX

4

प्र 07. पत्र / प्रार्थना पत्र लेखन -

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाचार्य महोदय,
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय,
नाहरपुरा।

विषय- पुस्तकालय सप्ताह मनाने हेतु।
महोदय,
सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय कक्षा का छात्र राहुल हूँ। मैं आपका ध्यान एक महत्वपूर्ण शीर्षक की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। पिछले वर्ष आपने विद्यालय मे खेल सप्ताह मनाने की अनुमति प्रदान की थी उसी की भाँति छात्रों के लिए पुस्तक व उनका ज्ञान भी महत्वपूर्ण है ताकि वे अपने ज्ञान को बढ़ा सके और अपना जीवन सफल बना सकता है इसलिए मै आपसे निवेदन करता हूँ कि विद्यालय मे पुस्तकालय - सप्ताह मनाने की अनुमति दें। आशा है आप जल्द ही अनुमति देंगे।
धन्यवाद।
आपका आज्ञाकारी शिष्य
राहुल
कक्षा - 10

3 3/4

79 1/2

(80) अस्सी

20.3.2024

समाप्त

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-174/2023